VIDYA SHREE ACADEMY
SR. SEC. SCHOOL

VSA — A Real English Medium School

Little Steps — Pre Primary wing of VSA

An English Medium Co.Ed. School | Science & Commerce

W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828

Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015

/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Class 8 | Subject: hindi.(vasant) | Topic: पाठ -7

प्रश्न-अभ्यास

आपके विचार से

1. लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं है। आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?
2. समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं और टेलीविज़न पर आपने ऐसी अनेक घटनाएँ देखी-सुनी होंगी जिनमें लोगों ने बिना किसी लालच के दूसरों की सहायता की हो या ईमानदारी से काम किया हो। ऐसे समाचार तथा लेख एकत्रित करें और कम-से-कम दो घटनाओं पर अपनी टिप्पणी लिखें।

Scanned with CamScanner

3. लेखक ने अपने जीवन की दो घटनाओं में रेलवे के टिकट बाबू और बस कंडक्टर की अच्छाई और ईमानदारी की बात बताई है। आप भी अपने या अपने किसी परिचित के साथ हुई किसी घटना के बारे में बताइए जिसमें किसी ने बिना किसी स्वार्थ के भलाई, ईमानदारी और अच्छाई के कार्य किए हों।

पर्दाफ़ाश

1. दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?
2. आजकल के बहुत से समाचार पत्र या समाचार चैनल 'दोषों का पर्दाफ़ाश' कर रहे हैं। इस प्रकार के समाचारों और कार्यक्रमों की सार्थकता पर तर्क सहित विचार लिखिए?

कारण बताइए

निम्नलिखित के संभावित परिणाम क्या-क्या हो सकते हैं? आपस में चर्चा कीजिए, जैसे–"ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है।" परिणाम–भ्रष्टाचार बढ़ेगा।

1. "सचाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है।" .....
2. "झूठ और फरेब का रोज़गार करनेवाले फल-फूल रहे हैं।" .....
3. "हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।" .....

दो लेखक और बस यात्रा

आपने इस लेख में एक बस की यात्रा के बारे में पढ़ा। इससे पहले भी आप एक बस यात्रा के बारे में पढ़ चुके हैं। यदि दोनों बस-यात्राओं के लेखक आपस में मिलते तो एक-दूसरे को कौन-कौन सी बातें बताते? अपनी कल्पना से उनकी बातचीत लिखिए।

सार्थक शीर्षक

1. लेखक ने लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' क्यों रखा होगा? क्या आप इससे भी बेहतर शीर्षक सुझा सकते हैं?

Scanned with CamScanner

पाठ - 07

क्या निराश हुआ जाए

आपके विचार से:

उत्तर1: लेखक ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों का वर्णन करते हुए कहा है कि उसने धोखा भी खाया है परंतु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज मिलती है। पर उसका मानना है कि अगर वो इन धोखों को याद रखेगा तो उसके लिए विश्वास करना बेहद कष्टकारी होगा और ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण उनकी सहायता की है,निराश मन को ढाँढस दिया है और हिम्मत बँधाई है।
टिकट बाबू द्वारा बचे हुए पैसे लेखक को लौटाना, बस कंडक्टर द्वारा दूसरी बस व बच्चों के लिए दूध लाना आदि ऐसी घटनाएँ हैं। इसलिए उसे विश्वास है कि समाज में मानवता,प्रेम, आपसी सहयोग समाप्त नहीं हो सकते।

उत्तर2: दोषों का पर्दाफाश करना तब बुरा रूप ले सकता है जब हम किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित कर के उस में रस लेते हैं या जब हमारे ऐसा करने से वे लोग उग्र रूप धारण कर किसी को हानि पहुँचाए।

उत्तर3: इस प्रकार के पर्दा फाश से समाज में व्याप्त बुराईयों से, अपने आस-पास के वातावरण तथा लोगों से अवगत हो जाते हैं और इसके कारण समाज में जागरूकता भी आती है साथ ही समाज समय रहते ही सचेत और सावधान हो जाता है।

कारण बताइए:

उत्तर1: 1. "सच्चाई केवल मौन और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। - तानाशाही बढ़ेगी
2. "झूठ और फरेब का रोज़गार करनेवाले फल-फूल रहे हैं।" - भ्रष्टाचार बढ़ेगा
3. "हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम।" - अविश्वास बढ़ेगा

सार्थक शीर्षक:

उत्तर1: लेखक ने इस लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' उचित रखा है। आजकल हम अराजकता की जो घटनाएँ अपने आसपास घटते देखते रहते हैं। जिससे हमारे मन में निराशा भर जाती है। लेकिन लेखक हमें उस समय समाज के मानवीय गुणों से भरे लोगों को और उनके कार्यों को याद करने कहा है जिससे हम निराश न हो।
इसका अन्य शीर्षक 'हम निराशा से आशा' भी रख सकते हैं।

Scanned with CamScanner

उत्तर2: "आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" - मैं इस कथन से सहमत हूँ क्योंकि व्यक्ति जब आदर्शों की राह पर चलता है तब उसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। असामाजिक तत्वों का अकेले सामना करना पड़ता है।

भाषा की बात

उत्तर1:

सुख और दुख	सुख-दुख
भूख और प्यास	भूख-प्यास
हँसना और रोना	हँसना-रोना
आते और जाते	आते-जाते
राजा और रानी	राजा-रानी
चाचा और चाची	चाचा-चाची
सच्चा और झूठा	सच्चा-झूठा
पाना और खोना	पाना-खोना
पाप और पुण्य	पाप-पुण्य
स्त्री और पुरुष	स्त्री-पुरुष
राम और सीता	राम-सीता
आना और जाना	आना-जाना

उत्तर2: जातिवाचक संज्ञा: बस, चाची, मनुष्य, ड्राइवर, कंडक्टर,
हिन्दू, मुस्लिम, आर्य, द्रविड़, पति, पत्नी आदि।
भाववाचक संज्ञा : ईमानदारी, सच्चाई, झूठ, चोर, डकैत आदि।

Scanned with CamScanner